Edit with WPS Office

मीरा के पद

(प्रश्न -उत्तर)

मौखिक :-

1◆प्रश्न : मीरा के आराध्य कौन है?

उत्तर :-मीरा के आराध्य कृष्ण है।

Edit with WPS Office

2◆प्रश्न :राणा ने पिटारा क्यों भेजा ?

उत्तर :- राणा ने पिटारा मीरा का अहित करने के लिए भेजा ।उस पिटारे में सर्प था।

3◆प्रश्न :- ज़हर किसमे बदल गया?

उत्तर :-जहर अमृत में बदल गया।जिसको पीकर मीरा अमर हो गई।

Edit with WPS Office

4◆प्रश्न:- सूल की सेज किसमे बदल गई ?

उत्तर :- सूल की सेज फूलों से भरे सेज में बदल गई।

5◆प्रश्न :'जनम -जनम की पूंजी' मीरा ने किसे कहा है?

उत्तर :- 'जनम-जनम की पूंजी' मीरा ने राम अर्थात अपने आराध्य को प्राप्त करने को कहा है।

Edit with WPS Office

लघु उत्तरीय प्रश्न :

1◆राम नाम रूपी धन की दो मुख्य विशेषताएं क्या है?

उत्तर :- राम नाम रूपी धन की विशेषता है कि यह जन्म -जन्मांतर तक मीरा के साथ -साथ ही चलता रहेगा।इस जन्म में भी यह न तो खर्च होगा और न ही इसे कोई चुरा ही सकता है।

2◆प्रश्न :-मीरा किस प्रकार अपने प्रभु के गुण गाती है?

उत्तर : मीरा अपने प्रभू कृष्ण के प्रेम में मगन होकर ,उनकी भक्ति में डूबकर

Edit with WPS Office

झूमते हुए और हर्ष से विभोर होकर अपने आराध्य का गुण-गान करती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :

1◆मीरा की कृष्ण भक्ति किस प्रकार दिन - दिन बढ़ती है ?

उत्तर :-मीरा की कृष्ण भक्ति दिन - दिन इस प्रकार बढ़ रही है कि वह कृष्ण की भक्ति तो निरंतर कर रही है।उनकी भक्ति न कभी खर्च हो सकती है ,न ही कोई चोर उसे चुरा ही सकता है।ऐसी स्थिति में उनकी भक्ति रूपी धन दिनों - दिन बढ़ता ही जा रहा

Edit with WPS Office

है।

2◆प्रश्न:मीरा के गुरु ने किस प्रकार उन पर कृपा की ?

उत्तर :- मीरा के गुरु ने उस पर इस प्रकार कृपा की कि उन्होंने मीरा को राम अर्थात मीरा के आराध्य की अनमोल भक्ति को प्राप्त करवाया।साथ ही इस संसार रूपी सागर में ,उनके सत्य रूपी नाव के नाविक बन भी बन गए। नाविक बने सतगुरु की कृपा से ही मीरा ने संसार रूपी सागर को पार किया है।

Edit with WPS Office

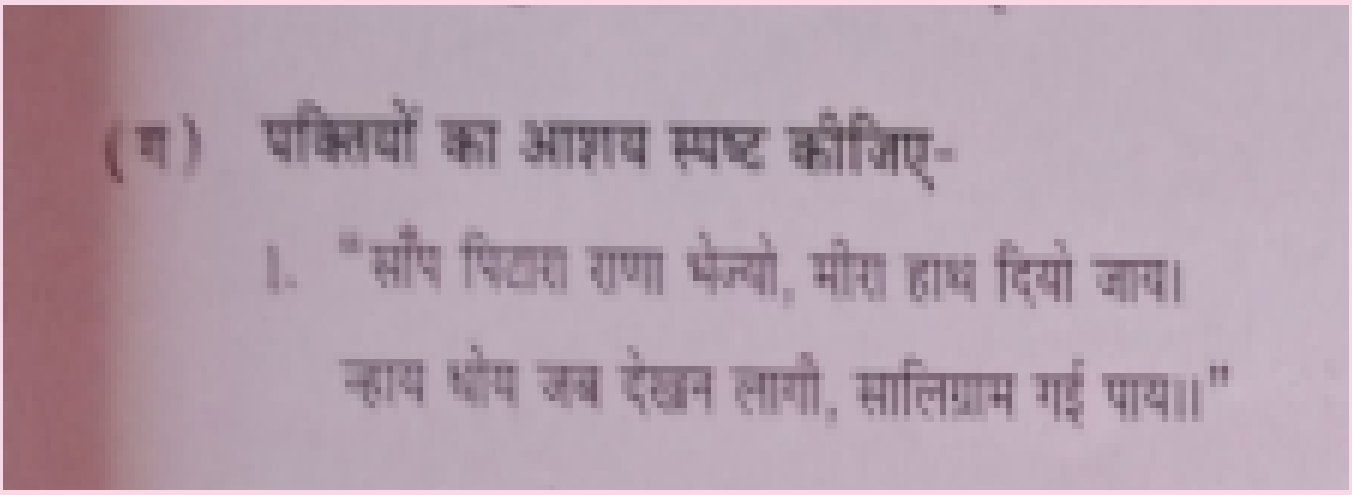
(ग) पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए-

1. "साँप पिटारा राणा भेज्यो, मीरा हाथ दियो जाय।
न्हाय धोय जब देखन लागी, सालिग्राम गई पाय॥"

उत्तर - प्रस्तुत पंक्तियों में कवयित्री मीरा बाई करती है कि राणा जी द्वारा उनको अहित पहुँचाने के लिए अनेक प्रयास किये गए।क्योंकि मीरा का कृष्ण की भक्ति में मगन होना समाज को सही प्रतीत नहीं होता अतः राणा ने सांप का पिटारा मीरा के लिए भेजा ।मीरा में अपने हाथों से ही उसे ग्रहण किया।नहा-धोकर जब मीरा उस पिटारे को खोलने जाती है तो वह उसमें सांप के स्थान पर शालिग्राम अर्थात भगवान की एक पूजनीय आकृति पाती है।अतः भगवान की कृपा से मीरा सभी संकटो से उबर जाती है।

Edit with WPS Office

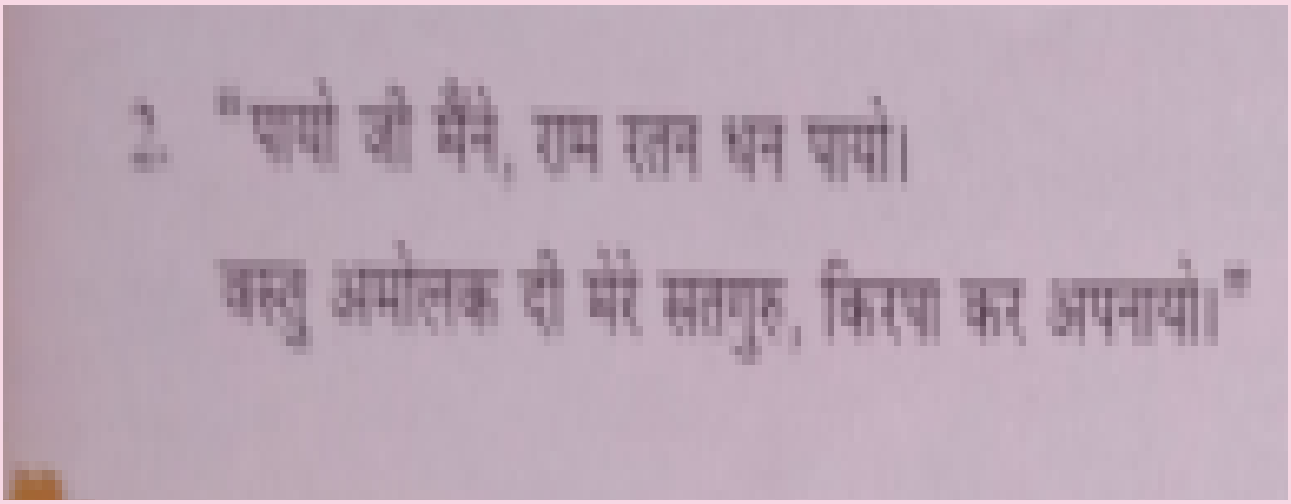

उत्तर:- प्रस्तुत पंक्तियों में कवयित्री मीरा बाई कहती है कि उन्होंने भगवान राम अर्थात अपने आराध्य के रूप में उन्होंने संसार में भक्ति रत्न रूपी धन प्राप्त किया है।इस भक्ति को प्राप्त करना सतगुरु की कृपा द्वारा ही संभव हो पाया।गुरु ने ही कृपा कर भक्ति रूपी अनमोल वस्तु को प्राप्त करवाया।साथ- ही साथ उनके आराध्य की भक्ति और कृपा भी प्राप्त हुई।

अतः मीरा स्वयं को कृष्ण के चरणों में न्योछावर करते हुए गुरु की महिमा गान करती है।